IJEAR Vol. 6, Issue 1, Spl-1, Jan-June 2016 ISSN : 2348-0033 (Online) | ISSN : 2249-4944 (Print)

Hkkoh f'k{kdksa ds fodkl esa lkaLd`frd laLFkkvksa dh Hkwfedk

MkW0 cchrk
चित्रकला विभाग, जे0वी0 जैन कालेज, सहारनपुर, उ0प्र0, भारत

भारतीय संस्कृति का विकास भारत के लम्बे इतिहास के साथ शुरू हुआ है। सिंधु घाटी की सभ्यता से लेकर, वैदिक काल, मौर्य काल, गुप्तकाल और भारत में मुसलमानों के आगमन, सभी ऐतिहासिक धरोहरों के समन्वय की परिणति आज की हमारी कला एवं संस्कृति है। भारत विश्व के कई धर्मो की जननी है, जिससे दुनिया के कई भाग प्रभावित हुए है। इसी भारतीय संस्कृति को सुरक्षित रखने एवं इसके विकास के लिये भारत सरकार ने और कुछ अन्य व्यक्तियों ने अनेक संस्थाओं की स्थापना की है। जिनके द्वारा न सिर्फ चित्रकला अपितु समस्त सामाजिक एवं सांस्कृतिक विषयों से जुड़े विद्यार्थी एवं शोधार्थी जो कला अथवा सामाजिक एवं सांस्कृतिक विषयों से जुड़े शिक्षण क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर अपने कैरियर का निर्माण करना चाहते है के लिए इन संस्थाओं में प्रबल सम्भावनायें निहित है तथा यह संस्थाएं रोजगार सृजन की दिशा में भी सही मार्गदर्शन कर रही है। भारत की ये विभिन्न सांस्कृतिक संस्थाएं निम्न प्रकार हैः–

1. yfyr dyk vdkneh& देश विदेश में भारतीय ललित कला के प्रचार प्रसार एवं विकास के लिए भारत सरकार द्वारा सन 1954 में ललित कला अकादमी की स्थापना की गयी इस अकादमी द्वारा प्रत्येक वर्ष एक राष्ट्रीय प्रदर्शनी तथा प्रत्येक तीसरे वर्ष 'त्रिवर्षिक भारत' नामक एक अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी का आयोजन किया जता है, आधुनिक परिप्रेक्ष्य में 8 ललित कलाओं को प्रोत्साहन देना तथा विकास करना आकादमी का मुख्य उद्देश्य है। अकादमी द्वारा ललित कला, ललित कम्टेम्परेरी व समकालीन कला नामक पत्रिकाओं का प्रकाशन किया जाता है।

2. laxhr ukVd vdkneh& नृत्य, नाटक एवं संगीत के विकास हेतु इस अकादमी की स्थापना 1953 में नई दिल्ली में की गई। भारत में प्रचलित विभिन्न प्रकार के संगीत तथा अभिनय कला के रूपों का सर्वेक्षण करना उन पर अनुसंधान करना आदि इसके प्रमुख उद्देश्य है। श्रेष्ठ कलाकारों को पुरस्कार देना प्रतियोगिता तथा संगीत सम्मेलनों का आयोजन आदि इस संस्था के प्रमुख कार्य है नृत्य कला में प्रशिक्षण देने हेतु अकादमी द्वारा दो नृत्य केन्द्र (i) कत्थक केन्द्र नई दिल्ली (ii) जवाहर लाल नेहरू मणिपुरी नृत्य अकादमी इम्फाल चलाये जा रहे है।

3. uS'kuy xSyjh vkQ ekMuZ vkVZ& इस संस्था की स्थापना सन 1954 में नई दिल्ली में की गई यहां लगभग 4000 कलाकृतियों का संग्रह है, जो विभिन्न शैलियों का प्रदर्शन करती है। जैसे राजारजित वर्मा, अवनीन्द्रनाथ टैगौर, नन्दलाल बोस, देवी प्रसाद राय चौधरी, विनोद विहारी मुखर्जी, रविन्द्रनाथ टैगोर आदि प्रमुख हैं।

4. uS'kuy xSyjh vkQ ekMuZ vkVZ& इस संस्था की स्थापना सन 1954 में नई दिल्ली में की गई यहां लगभग 4000 कलाकृतियों का संग्रह है, जो विभिन्न शैलियों का प्रदर्शन करती है। जैसे राजारजित वर्मा, अवनीन्द्रनाथ टैगौर, नन्दलाल बोस, देवी प्रसाद राय चौधरी, विनोद विहारी मुखर्जी, रविन्द्रनाथ टैगोर आदि प्रमुख हैं।

5. ,f'k;kfVd lkslk;Vh vkQ caxky& इस संस्था की स्थापना 1974 ई0 में कलकत्ता में की गई यह संस्था न सिर्फ भारत अपितु एशिया से सम्बन्धित विभिन्न अनुसंधान कार्यो को प्रोत्साहन देती है। इस संस्था के पास अपना एक पुस्तकालय है जिसमें पुस्तकों के अतिरिक्त हस्तलिखित पाण्डुलिपियाँ संग्रहित है। संस्था द्वारा एक पत्र का प्रकाशन किया जाता है। पुस्तकों को नष्ट होने से बचाने के लिए उनका पुनः प्रकाशन किया जाता है। संस्कृत फारसी पाण्डुलिपियों का अंग्रेजी में अनुवाद किया जाता है।

6. ,f'k;kfVd lkslk;Vh vkQ cEcbZ& बम्बई साहित्य समाज द्वारा 1804 में इस संस्था की स्थापना की गई थी। ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में नवीन खोज तथा कला साहित्य को प्रोत्साहन देना इस संस्था का प्रमुख कार्य है। संस्था का अपना पुस्तकाल संग्रहालय भी है।

7. jk"Vªh; dyk ifj"kn& इस संस्था की स्थापना 1983 में भारत सरकार द्व ारा की गई थी, पुरातत्व कला, मानव विज्ञान, अभिलेखागारों और संग्राहलयों से सम्बन्धित गतिविधियों को समन्वित करना संस्था का प्रमुख उद्देश्य है।

8. lkfgR; dyk vdkneh& यह एक स्वायत्तशासी संस्था है जिसकी स्थापना 1954 में नई दिल्ली में की गई। विभिन्न भारतीय भाषाओं के साहित्य को प्रोत्साहन देना उनका अनुवाद व प्रकाशन कराना अकादमी द्वारा अभी तक 23 साहित्यकारों को फैलोशिप से विभूषित किया जा चुका है। रवीन्द्र भवन (नई दिल्ली में) संस्था का पुस्तकालय है। जिसमें भारतीय तथा विदेशी भाषाओं की 90000 पुस्तकों का संकलन है। अकादमी द्वारा अंग्रेजी, तथा हिन्दी में द्विमासिक और त्रिमासिक पत्रिकाओं का प्रकाशन किया जाता है।

9. vU; egRoiw.kZ laLFkk,a& भारत कला भवन नई दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय नई दिल्ली, नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इण्डिया, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, इण्डिया कॉउंसिल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण संस्थान इत्यादि प्रमुख है।

उपर्युक्त सांस्कृतिक संस्थाओं का चित्रकला तथा अन्य सामाजिक एवं सांस्कृतिक विषयों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। यह संस्थायें अनेक शिक्षण प्रशिक्षण तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यो का संचालन करती है जो निम्न प्रकार हैः–

1. विभिन्न चित्रकला प्रदर्शनियों का आयोजन।
2. विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन।
3. राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियों का आयोजन।
4. मूर्तिकला में प्रशिक्षण देना।
5. कुशल छात्रों शिक्षकों तथा कलाकारों को फैलोशिप देना।
6. विभिन्न स्तरों पर व्याख्यान मालाओं का आयोजन करना।
7. उच्च कोटि के कलाकारों को पुरस्कृत करना।
8. प्रतियोगिता तथा संगीत सम्मेलन करना।
9. उच्चकोटि के अनुसंधान कार्यो को प्रोत्साहन देना।
10. पाक्षिक मासिक द्विमासिक तथा त्रैमासिक पत्रिकाओं का प्रकाशन कराना।
11. उच्च स्तरीय साहित्य का सृजन करना।
12. भारत व अन्य देशों के मध्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आदान प्रदान करना।
13. भारतीय तथा विदेशी पुस्तकों का अनुवाद कार्य करना/कराना।
14. दुर्लभ और महत्वपूर्ण पाण्डुलिपियों को सुरक्षित रखना।
15. प्रशिक्षण अध्ययन अनुसंधान और सूचना ढांचा तैयार करने में अन्य संस्थाओं के विशेषज्ञों को परामर्श देना/लेना।
16. भारतीय संस्कृति का विश्व के समक्ष प्रदर्शन तथा विदेशों में बसे भारतीयों को इससे परिचित करना।
17. परोपकारी सेवायें उपलब्ध कराना।
18. राष्ट्रीय नाट्य शाला की व्यवस्था करना।
19. उच्चकोटि के शोध कार्य के लिये शोधकताओं को विभिन्न वृत्तिकाएं प्रदान करना।

विभिन्न सांस्कृतिक संस्थाओं द्वारा दिये जा रहे उपरोक्त विभिन्न शिक्षण प्रशिक्षण, प्रोत्साहन कार्यक्रमों द्वारा स्पष्ट है कि यह सभी संस्थायें न सिर्फ भावी शिक्षकों के लिये एक पृष्ठभूमि तैयार करती है, अपितु वर्तमान में जो शिक्षक इन विषयों से जुड़े है उनको दिन प्रतिदिन एक नई राह पर अग्रसर करती है। अतः मेरा ऐसा विश्वास है कि जो शोधार्थी एवं विद्यार्थी कला एवं अन्य सामाजिक एवं सांस्कृतिक विषयों से जुड़े शिक्षण के क्षेत्र में अपने भविष्य का निर्माण करना चाहते है उनके लिये ये संस्थायें सही मार्गदर्शन करती है और कर रही है।

lUnHkZ

[1] सेंगर शैलेन्द्र, भारतीय कला संस्कृति, पंकज पुस्तक मंदिर, नई दिल्ली–2009
[2] उपकार प्रकाशन, भारतीय कला एवं संस्कृति अतिरिक्तांक, आगरा, 2014